2 name of a Tantric deity प्रागादावुत्तरान्तं तु त्वधर्ममलेक्षण । अज्ञानं च त्ववैराग्यमनैश्वर्यमनन्तरम् PauskS. 23. 35; तत्पूर्वदिग्विभागादि यावदुत्तरगोचरम् । न्यस्याधर्मं तथाज्ञानमवैराग्यमनैश्वरम् JayāS. 12. 8; BṛBrahmaS. iv. 2. 15; TantrSā.(K.) 80. 20; स्मरेत् … अज्ञानम् LakṣmīT. 36. 15; MahNirvāT. 6. 127; ओं रूं अज्ञानाय वै नमः AgniP. 98. 6; ऋं अधर्माय ॠं अज्ञानाय … नमः ParaśuKS. 2. 7 (80. 4); NityoNi. 138. 8; VīraMi.(Pūjā.) 145. 4; वामपार्श्वे… अज्ञानाय TantrSā.(K.) 48. 6; VīraMi.(Bhakti.) 91. 6; 3 name of a clincher or place for refutation consisting of not being able to understand the opponent's statements (which are understood by others present, even after being repeated thrice) अविज्ञातं चाज्ञानम् NyāySū. v. 2. 17; NyāyBh. 72. 81 (*on* i. 2. 20); NyāyVār. 179. 10 (*on* i. 2. 53); तदज्ञानं नाम निग्रहस्थानं भवति NyāyMañ. ii. 203. 20; ज्ञातेऽपि वादिवाक्यार्थे प्राश्निकैस्तत्र चेत्परः । स्वाज्ञानमुद्भावयति तदाज्ञानेन निग्रहः TārkiRa. 350. 11; 350. 18; पर्षदा विज्ञातस्यापि वादिवाक्यार्थस्य प्रतिवादिनो यदज्ञानं तदज्ञानं नाम निग्रहस्थानम् PramāMī. 71. 5 (*on* ii. 1. 34); SyādvāMañ. 10 (143); NyāyPari. 205. 5; 4 non-cognition, non-production of knowledge तत्र संशयोऽज्ञानं विपर्ययः Sāṁkhya-KāBh. 26. 22 (*on* 46); अज्ञानं पुनरप्रतिपत्तिः NyāyVār. 557. 10 (*on* v. 2. 1); अन्वयव्यतिरेकाभ्यामप्रामाण्यं न दोषतः । नाज्ञाने दृश्यते ह्येतत् कारणाभावहेतुके S'lokaVār. 2. 45 (58. 6) (Kāśi. त्रिविधमप्रामाण्यमज्ञानसंशयविपर्ययैः); अदृष्टपूर्वे त्वज्ञानं संबन्धप्रत्ययोऽपि वा S'lokaVār. 5(5). 102 (431. 7); 5(14). 61 (628. 1); को हि तद्वेदेति पूर्ववदेवाज्ञानसंशयविपर्ययाणामनौपयिकत्वादानर्थक्यम् TantrVā. 8. 1 (*on* i. 2. 2); 588. 9 (*on* ii. 3. 3); सर्वथाज्ञाने नैषा तदर्थ्यते SphoṭSi. 60. 1 (comm. ज्ञानानुत्पत्तौ); TātpaṬ.(Vā.) 156. 9 (*on* i. 1. 5); Bhām. 145. 11 (*on* i. 1. 22); NyāyPari. 279. 7; VivaPraSaṁ. 127. 6; मूर्च्छायां प्रपञ्चस्याज्ञानमेव न त्वभावः Nyāyāmṛ. 166B. 6; 5 prior absence मिथ्यात्वशङ्का तु तद्धेतुभूतदोषाज्ञानादयत्नेनैव निवर्तते । न हि दोषाणामज्ञानं प्रागभावो यत्नसाध्यः Kāśi. i. 91. 17 (*on* 2. 52); 6 nescience, spiritual ignorance (also called *avidyā*, conceived of as a positive entity, opposite of knowledge) अज्ञानेनावृतो लोकः MahāBhā. iii. 1383*(7); संसृतिरेषामभक्तिः स्यान्नाज्ञानात् कारणासिद्धेः BhaktiSū.(S'ā.) iii. 2. 6; विभेदजनकेऽज्ञाने नाशमात्यन्तिकं गते ViṣṇuP. vi. 7. 96; MārkP. 39. 1; अथाज्ञानमविद्या AmaK. 290 = AgniP. 359. 51; KulārT. 9. 123; किंनिमित्तं जगतः अज्ञानमित्युच्यते GītāBh.(S'aṅ.) 220. 21 (*on* 7. 13); BṛĀraUBh. 5. 17 (*on* i. 1. 0); अज्ञानं कल्पनामूलम् UpadeSā. 272. 17; जगत्कारणमज्ञानमेकमेव चिदन्वितम् SvātmPra. 1; अवच्छिन्न इवाज्ञानात्तन्नाशे सति केवलः ĀtmaBo. 4; अहमात्मा … नाज्ञानम्, नापि तत्कार्यम् Pañcī. 190. 10; यः प्रमादाख्यो मृत्युः अज्ञानं स एव SanatBh. 181. 17 (*on* 1. 6); अज्ञानमाययोरैक्यम् SadācāAnu. 24; अज्ञानं प्रकृतिस्तन्मते मता SarvaSiSaṁ. 12. 88; जगदध्यासकारणम् । सदसद्भ्यामनिर्वाच्यमज्ञानं त्रिगुणात्मकम् SarvaVeSāSam. 302; 299; अज्ञानमिति च जडात्मिकाविद्याशक्तिः ज्ञानपर्युदासेनोच्यते PañcPā. 4. 20 (*on* i. 1. 0); BṛĀraUBhVā. iii. 3. 95; iv. 4. 787; IṣṭaSi. 48. 10; 325. 2; अज्ञानमावरणविभ्रमशक्तियोगात् (विक्षिपति) SaṁkṣeS'ā. 1. 20 (i. 26. 1); 2. 185 (ii. 112. 17); PañcPra. 62. 2; SaurP. 11. 24; S'ivaP. ii(1). 15. 11 (58A. 12); AdhyāRā. ii. 1. 28; YogVā. iii. 11. 16; तच्च … अविद्येति गीयते तदेकार्थतया चाज्ञानमिति PramāMā. 11. 21; ज्ञानप्रागभावातिरिक्तं सदसदनिर्वचनीयं तमोमायादिशब्दवाच्यं वस्तुयाथात्म्यज्ञाननिवर्त्यं भावरूपं किंचिद्वस्त्वज्ञानम् NītiMā. 21. 9; BrahmSūBh.(Ma.) 57A. 7 (*on* iii. 3. 43); सिद्धत्वात्स्वरूपस्य विशेषभावाच्च नाज्ञानं कस्यचिदावरकम् MāyāKha. 2A. 11; AnuVyā. 2B. 3 (*on* i. 1. 1); VedāntSā.(Rā.) 220. 7 (*on* ii. 3. 48); BrahmSūBh.(S'rī.) ii. 161. 4 (*on* ii. 3. 49); TarkSaṁ.(Ā.) 138. 23; अज्ञानं तु…त्रिगुणात्मकं ज्ञानविरोधि भावरूपं यत्किञ्चित् VedāntSā.(Sa.) 5. 8; JīvanVi. 50. 9; 151. 12; NyāySu.(Ja.) 23B. 11 (*on* i. 1. 1); SarvaDaKau. 122. 20; अज्ञानस्य सर्वगतदेशकालोपादानत्वेन Nyāyāmṛ. 77B. 7; 547A. 9; 616B. 13; कार्यैककल्प्यत्वादज्ञानस्य YuktiSneha. 111. 31 (*on* i. 1. 5); SiddhāBi. 35. 5; SiddhāLeSaṁ. 429. 3; LalitāSaBh. 95. 21 (*on* 129); BālamBha. i. 96. 19 (*on* 1. 25); 7 non-realisation of the Self ज्ञानलाभयोरेकार्थत्वस्य विवक्षितत्वात् । आत्मनो ह्यलाभोऽज्ञानमेव, तस्माज्ज्ञानमेवात्मनो लाभः BṛĀraUBh. 116. 3 (*on* i. 4. 8); 8 A (Buddh.) ignorance identified with *avidyā* the first link in the Pratītyasamutpāda यत्कर्माज्ञानतृष्णानां त्यागान्मोक्षश्च कल्प्यते BuddhaC. 12. 73; तत्राविद्या कतमा । यैषामेव षण्णां धातूनामेकसंज्ञा पिण्डसंज्ञा … आत्मसंज्ञा … मनुजमानवसंज्ञा अहंकारममकारसंज्ञा । एवमादि विविधमज्ञानमियमुच्यतेऽविद्येति ĀryaS'āS. 9. 15; अज्ञानं हि भूतार्थदर्शनप्रतिबन्धादन्धकारम् AbhidhKoBh. 1. 10 (*on* 1. 1); अन्ये पुनरिहाज्ञानमलीमसधियो जगुः TattvSam. 2085; अज्ञानमविद्या … अभूतं ख्यापयत्यर्थं भूतमावृत्य वर्तते । अविद्या जायमानैव BodhiCaPañ. 171. 1; 8 B (Jain.) false knowledge, knowledge accompanied with false faith ज्ञानावरणे प्रज्ञाज्ञाने Tattvārtha-Sū. 9. 13; अज्ञानं त्रिविधं मत्यज्ञानं श्रुताज्ञानं विभङ्गं चेति । ज्ञानाज्ञानविभागस्तु मिथ्यात्वकर्मोदयानुदयापेक्षः TattvāRāVār. 6 (*on* 2. 5); 9 A non-valid cognition, erroneous knowledge विद्यायाः प्रतिपक्षत्वाच् चैत्तत्वेनोपलब्धितः । मिथ्योपलब्धिरज्ञानं युक्तेश्चान्यदयुक्तिमत् PramāVār. 2. 214; अज्ञानं पुनः … विप्रतिपत्तिः NyāyVār. 557. 10 (*on* v. 2. 1); यदि विपरीतज्ञानम् … उच्यते अज्ञानमिति BṛĀraUBh. 388. 17 (*on* iii. 3. 1); SarvaSiSaṁ. 4. 20; अज्ञानम् … कर्तव्याकर्तव्यादिविषयमिथ्याप्रत्ययः GītāBh.(S'aṅ.) 454. 10 (*on* 16. 4); अज्ञानं च विपर्ययज्ञानम् TattvVai. 5. 21 (*on* 1. 2); अज्ञानमसम्यग्ज्ञानम् NyāyVārPari. 24. 5; तज्ज्ञानमज्ञानमतोऽन्यदुक्तम् BrahmP. 233. 75; अज्ञानं मिथ्याज्ञानम् RājMār. 36. 1; BrahmSūBh.(Rā.) 88. 21 (*on* i. 1. 1); अज्ञानं समक्षदर्शनश्रवणसमय एवान्यथाज्ञानम् SmṛtiCan. iii. 216. 2; यथार्थविभासो ज्ञानम् … एतद्विपरीतमज्ञानम् ManvaMu. 507. 30 (*on* 12. 26); 9 B uncertainty, uncertain knowledge, unclear knowledge यदि संशयज्ञानम् …उच्यते अज्ञानमिति BṛĀraUBh. 388. 17 (*on* iii. 3. 1); अज्ञानं तद्विषयस्फुटज्ञानाभावः ManvaVi. 947. 1 (*on* 8. 118); अज्ञानस्य निश्चयाभावस्य सन्देहेऽपि सम्भवात् VīraMi. (Vyavahāra.) 86. 4; अज्ञानमस्फुटज्ञानम् VīraMi. (Vyavahāra.) 135. 24; 9 C delusion अज्ञानम्…तात्कालिको भ्रम इति कल्पतरुः VīraMi. (Vyavahāra.) 135. 24; 9 D insufficient knowledge अज्ञानं किञ्चिज्ज्ञता Aparā. 680. 16 (*on* 2. 4); अज्ञानं किञ्चिज्ज्ञानम् VīraMi. (Vyavahāra.) 136. 4; 10 (meaning) other than 'to know' णौ गमज्ञाने JaineVyā. i. 4. 118 = S'ākaṭāVyā. iv. 2. 125; णावज्ञाने गमुः SiddhaHe. iv. 4. 24; सिध्यतेरज्ञाने JaineVyā. iv. 3. 42 = S'ākaṭāVyā. iv. 1. 190 = SiddhaHe. iv. 2. 11; ज्ञोऽज्ञाने घे MugdhaBo. 5. 24 (51. 4); अज्ञाने कुत्सायां च (कप्रत्ययः) KātanVṛ. ii. 2. 64; करणे ज्ञोऽज्ञाने S'ākaṭāVyā. i. 3. 165; SiddhaHe. ii. 2. 80; 11 A knowledge other than that which leads to liberation असतः असत्कर्मणोऽज्ञानाच्च मा मां सत् शास्त्रीयकर्मविज्ञाने गमय BṛĀraUBh. 74. 16 (*on* i. 3. 28); अज्ञानं मोक्षोपायज्ञानादन्यत् S'rutaPra. iA. 213. 5 (*on* i. 1. 1); 11 B i other than knowledge, not the same as knowledge प्राभाकरतार्किकौ तु…अज्ञानमात्मेति वदतः VedāntSā.(Sa.) 19. 8; 11 B ii other than cognition (i. e. sense organs) ज्ञानमज्ञानं वा उपलब्धिहेतुः प्रमाणम् TātpaṬ.(Vā.) 22. 1 (*on* i. 1. 1); 12 unawareness तत्राज्ञानभ्रमाघातघूर्णनादर्शनादयः (मोहे) DaśRū. 4. 26; अज्ञानं ग्लानिः … एते देहभवा भावाः DevīBhāP. iv. 25. 9; मोहः … मूर्च्छनाज्ञानपतनभ्रमणादर्शनादिकृत् SāhiDa. 150. 12; SāhiSā. 5. 24; 13 past acts that form a hindrance to knowledge जपाद्विलयमायाति तत्त्वज्ञानं शनैः शनैः PauṣkS. 33. 107; अज्ञानेनावृतं ज्ञानं ज्ञानविरोधिना पूर्वकर्मणा … ज्ञानमावृतम् GītāBh.(Rā.) 302. 1 (*on* 5. 15); ज्ञानेन तज्ज्ञानावरणमनादिकालप्रवृत्तानन्तकर्मसंचयरूपाज्ञानं नाशितम् GītāBh.(Rā.) 303. 5 (*on* 5. 16); 14 evil, sin अज्ञानमुच्यते पापं तद्विचारेण नश्यति YogVā. v. 42. 8;

अज्ञानात् (a-jñānāt) [Abl.] **A** due to ignorance or insufficient knowledge, ignorantly, foolishly देवा वै स्वर्गं लोकं यन्तोऽज्ञानादबिभयुः PañcBr. v. 7. 11; अज्ञानात्पतितो विप्रः BaudhDS. ii. 2. 67; अज्ञानाद्धर्षिता विप्र Rāmā. vii. 30. 40; ये केचिदज्ञानात्तां पुरीं नृपाः । जिगीषन्ति MahāBhā. ii. 28. 22; कर्तारमपि लोकानाम्…अज्ञानादवमन्येरन् Rāmā. iii. 60. 37; तृष्णया हि महत्पापमज्ञानादस्मि कारितः MahāBhā. xii. 9. 29; xii. 298. 7; ArthS'ā. 33. 3 (1. 4); अज्ञानात् पिबते जलम् AtriS. 61; AṅgiSm. 81; अज्ञानात्तु मया पूर्वं यद्भवान् नाभिवादितः MadhyaVyā. (BhāNāCa.) 1. 50 = PañcRā. 2. 68; यदन्यत्कुरुते द्विजः । अज्ञानादथ वा लोभात्स तेन पतितो भवेत् DakṣaSm. 2. 3; BrahmP. 10. 37; तदिदमापतितं ममाज्ञानात् Tantrākhyā. 103. 23 = PañcT. 3. (55)1 (311. 11); व्यर्थोऽपि ह्युपदेशोऽज्ञानात्सम्भवति S'ābaBh. 1401. 21 (*on* vi. 2. 20); Nāgā. 5. 17 (5); DaśKuC. 96. 5; अज्ञानादह्नि कुर्याच्चेदंकुराणामथार्पणम् PāraS. 16. 90; स मीनोऽप्यज्ञानाद् बडिशयुतमश्नातु पिशितम् S'atTrayī. 160 = PadyāTa. 289; अज्ञानाद्वा प्रमादाद्वा यन्मया नानुकीर्तितम् PañcRā.(Ha.) i. 1. 29; SkandP. iii(3). 2. 27; KulārT. 2. 19; ParaS. 8. 76; S'ivDṛ. 5. 17; RugVi. 41. 15; अणिमादिगुणोपेते जगत्कारणकारणे । कथमाचरितं दौष्ट्यमज्ञानाद्बालवन्मया GaṇeP. i. 61. 10; LakṣmīT. 33. 117; अज्ञानाद्यदि वाधिपत्यरभसादस्मत्परोक्षे हता SuvṛTi. ii. 46. 37; Dūtāṅg. 9; YuktiKa. 36. 3; DarpDa. 3. 141; उपेक्षयाथवाज्ञानाद्यो न कुर्यात्पवित्रकम् IśānS'iPa. ii. 21. 2; PañcRā.(Nā.) iv. 10. 3; TriṣaS'aPuC. ii. 1. 151; अज्ञानाद्वा प्रमादाद्वा…सा चेत्कुर्यान्निषिद्धानि गर्भो दोषांस्तदाप्नुयात् BhavPra.(Bhā.) 1(3). 6; अज्ञानात्स भिषग्राजन् दन्तिनो विनिपातयेत् Hastyāyur. 193. 4 (ii. 11); **B** unknowingly, inadvertantly, unintentionally; unwittingly कच्चिन्मया नापराद्धमज्ञानात् Rāmā. ii. 16. 11; ii. 58. 21; भगवन् अज्ञानादेतदन्नं सकेशमुपहृतम् MahāBhā. i. 3. 129; i. 101. 18; अज्ञानाज्ज्ञानतो वापि…यत्किञ्चिदशुभं कर्म कृतम् MahāBhā. iii. 81. 123; iii. 122. 15; AhirbuS. 28. 79; PañcaRā.(Nā.) i. 2. 66; BrahmāṇḍP. i. 27. 73; अज्ञानाद्बालया यत्ते कृतं तत्क्षन्तुमर्हसि MahāBhā. iii. 122. 21; अज्ञानात्पितरं हत्वा मृगबुद्ध्या परावसुः MahāBhā. 3. 668*. 2;